दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, शनिवार 01 जनवरी 2022 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-04, अंक- 95

महत्वपूर्ण एवं खास

जीएसटी काउंसिल की बैठक में टैक्सटाइल सेक्टर को बड़ी राहत, 5 प्रतिशत बरकरार रहेगी जीएसटी दर

नई दिल्ली (आरएनएस)। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने कपड़ों पर कर की दर को पहली जनवरी 2022 से पांच से बढ़ाकर 12 प्रतिशत करने के अपने पहले के निर्णय को शुक्रवार को स्थगित कर दिया। इस निर्णय से कपड़ों पर जीएसटी की दर पांच प्रतिशत बनी रहेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी परिषद की राजधानी में हुई 46वीं बैठक के निर्णय की जानकारी देते हुए संवाददाताओं से कहा, कपड़े पर जीएसटी की दर पर यथास्थिति बनाये रखने का फैसला किया गया है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि कपड़ा क्षेत्र पर जीएसटी बढ़ाने का फैसला पूरी चर्चा के बाद किया गया था जिसका उद्देश्य कपड़ा उत्पादों पर शुल्क के उल्टे ढ़ांचे को ठीक करना था, जिसमें कच्चे या मध्यवर्ती माल पर कर की दर तैयार माल से अधिक होती है। वित्त मंत्री ने कहा, आज भी सभी लोग मानते हैं कि कपड़ों पर उल्टे शुल्क ढ़ांचे को ठीक करने की जरूरत है। उन्होंने आज के फैसले के औचित्य के बारे में पूछे जाने पर कहा कि उद्योग संगठनों का कहना था कि जीएसटी की दर पांच से बढ़ाकर 12 फीसदी करने से इकाइयां असंगठित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगी और कुछ एक सस्ते टेक्सटाइल उत्पादों के दाम बढ़ जायेंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि अन्य क्षेत्र के मुकाबले कपड़ा क्षेत्र पर कर ढांचे का ताना-बाना बहुत जटिल होता है।

नीट काउंसलिंग के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों की हड़ताल खत्म, मंत्री के आश्वासन के बाद काम पर लौटे

नई दिल्ली (आरएनएस)। पीजी नीट काउंसलिंग में देरी होने के मुद्दे पर पिछले कई सप्ताह से विरोध प्रदर्शन कर रहे जूनियर डाक्टरों ने शुक्रवार को अपनी हड़ताल वापस ले ली और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया से इस मामले को शीघ्र सुलझाने की अपील की। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सहजानन्द प्रसाद सिंह और महासचिव डॉ. जयेश एम. लेले ने यहां इसकी घोषणा करते हुए कहा कि मांडविया ने पूरे मामले को देखने और इसे जल्दी सुलझाने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि जूनियर डाक्टर आज 12 बजे के बाद संबंधित अस्पतालों में लौट आए हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान डॉक्टरों ने अथक परिश्रम किया और देश में कोरोना की तीसरी लहर को देखते डाक्टरों ने फिर काम पर लौटने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि डाक्टरों को हड़ताल पर जाने के लिए मजबूर किया गया। डॉ. सिंह और डॉ. लेले ने बताया कि डॉक्टरों का एक प्रतिनिधिमण्डल केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री से कल देर शाम मिला और उन्हें पूरे मामले और डाक्टरों की मांगों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री से मिलने और कोविड संक्रमण के बढ़ते मामले को देखते हुए डाक्टरों ने हड़ताल वापस लेने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में हालात जल्द ही सामान्य हो जाएंगे। डॉ. सिंह ने कहा कि प्रतिनिधिमण्डल ने डॉक्टरों पर की गयी पुलिस कार्रवाई पर रोष जताया और दर्ज मुकदमें वापस लेने का अनुरोध किया।प्रतिनिधिमण्डल ने पीजी नीट के जरिए होने वाली प्रवेश प्रक्रिया के मुद्दों को शीघ्र सुलझाने के लिए मांडविया से हस्तक्षेप का अनुरोध किया।

नफरत भरे बयानों की जांच और कार्रवाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है जिसमें पैगंबर मोहम्मद के व्यक्तित्व पर लगातार हमले और देश के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न लोगों द्वारा मुस्लिमों की मान्यताओं पर हमला करने वाली अपमानजनक टिप्पणियों से संबंधित घृणा अपराधों में अदालत की निगरानी में जांच और मुकदमा चलाने की मांग की गई है। जमीयत उलमा-ए-हिंद ने अपने अध्यक्ष मौलाना सैयद महमूद असद मदनी के माध्यम से याचिका दायर की है जिसमें केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई है कि वह नफरत भरे भाषणों के संबंध में विभिन्न राज्यों द्वारा की गई कार्रवाई पर एक रिपोर्ट के लिए केंद्र को निर्देश दे।

देशभर के उच्च न्यायालयों में इस साल 120 नए न्यायाधीश की हुई नियुक्ति

नई दिल्ली (आरएनएस)। विधि मंत्रालय के लिए वर्ष 2021 चुनाव सुधारों के लिए बड़े प्रयासों के साथ समाप्त हो रहा है और इस साल उच्च न्यायालयों में 120 तथा उच्चतम न्यायालय में नौ न्यायाधीशों की नियुक्ति हुई।

पात्र उम्मीदवारों को उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश नियुक्त कराने के प्रयासों के बावजूद उच्चतम न्यायालय द्वारा अनेक उच्च न्यायालयों के लिए न्यायाधीशों के रूप में जिन 23 नामों पर जोर दिया गया है, वे 2018 से सरकार के पास लंबित हैं। सरकार को आने वाले वर्ष में इस विषय पर फैसला करना है। इस कलैंडर वर्ष में 120 नये न्यायाधीशों की विभिन्न उच्च न्यायालयों में नियुक्ति की गयी और उच्च न्यायालयों के नौ मुख्य न्यायाधीशों तथा न्यायाधीशों को शीर्ष अदालत में प्रोन्नत किया गया। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की तर्ज पर निचली अदालतों के लिए न्यायिक अधिकारियों की भर्ती के लिहाज से अखिल भारतीय न्यायिक सेवा गठित करने की सरकार की योजना को राज्यों और उच्च न्यायालयों से लगातार अवरोधों का सामना करना पड़ रहा है। आठ राज्य इस सेवा के गठन के पक्ष में नहीं हैं, जबकि दो ने इस विचार का समर्थन किया है। जहां तक उच्च न्यायालयों की बात है, दो न्यायिक सेवा के गठन के पक्ष में हैं और 13 पक्ष में नहीं हैं, वहीं छह उच्च न्यायालय प्रस्ताव में संशोधन चाहते हैं और दो ने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है।

सरकार के विचार से समुचित तरीके से गठित अखिल भारतीय न्यायिक सेवा समग्र न्याय प्रदाय प्रणाली को मजबूत करने के लिहाज से महत्वपूर्ण है। इससे उचित अखिल भारतीय वरीयता आधारित चयन प्रणाली के माध्यम से योग्य नयी कानूनी प्रतिभाओं को शामिल करने तथा समाज के वंचित वर्ग को उचित प्रतिनिधित्व के साथ सामाजिक समावेश के मुद्दे पर भी ध्यान देने का अवसर मिलेगा।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) एन वी रमण ने कुछ दिन पहले सरकार को 'भारतीय राष्ट्रीय न्यायिक अवसंरचना प्राधिकरण' (एनजेआईआई) गठित करने का प्रस्ताव भेजा था। प्रस्तावित इकाई द्वारा अदालतों के लिए पर्याप्त बुनियादी संरचना के बंदोबस्त का प्रावधान है। प्रस्ताव के अनुसार इस प्राधिकरण का एक संचालक मंडल होगा जिसमें सीजेआई प्रधान संरक्षक होंगे। प्रस्ताव की अन्य मुख्य विशेषताओं में प्राधिकरण द्वारा भारतीय अदालत प्रणाली के लिए कार्यशील अवसंरचना की योजना, सृजन, विकास, रख-रखाव और प्रबंधन के लिए रूपरेखा तैयार करने वाली केंद्रीय इकाई के रूप में काम करना शामिल है। यह देश के सभी 25 उच्च न्यायालयों के तहत एक समान ढांचे के रूप में भी काम करेगा। फिलहाल न्यायपालिका के लिए बुनियादी संरचना सुविधाओं के विकास की प्राथमिक जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है। राज्य सरकारों के संसाधनों को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार जिला तथा अधीनस्थ अदालतों में अवसंरचना सुविधाओं के विकास के लिए एक केंद्र प्रायोजित योजना को लागू कर रही है। इसके लिए राज्य सरकारों तथा केंद्रशासित प्रदेशों को निर्दिष्ट धन साझेदारी प्रारूप में आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

भारत ने लॉन्च किया न्यूक्लियर पनडुब्बी एस-4, एक साथ 8 मिसाइल दागने में सक्षम

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत ने विशाखापत्तनम में अपनी तीसरी अरिहंत कटेगरी की परमाणु संचालित पनडुब्बी लॉन्च कर दी है। इसे गोपनीय तरीके से विशाखापत्तनम स्थित गोपनीय शिप बिल्डिंग सेंटर से लॉन्च किया गया है।

भारत ने पहले पनडुब्बी बैलिस्टिक परमाणु पनडुब्बी अरिहंत को 2016 में कमीशन किया था। दूसरे अरिहंत को 2014 की शुरुआत में लॉन्च किया गया था। इसे अब तक भारतीय नौसेना बेड़े में नहीं शामिल किया गया है। अरिहंत कटेगरी की सबमरीन रूस की मदद से बनाई जा रही है। नई नाव जिसे एस4 कहा जाता है, अरिहंत से थोड़ी बड़ी है और अपने साथ कम से कम 8 के-4 बैलिस्टिक मिसाइल ले जा सकती है।

एक साथ 8 मिसाइल से स्ट्राइक किया जा सकेगा- रिपोर्ट के मुताबिक एस4 पनडुब्बी बैलिस्टिक परमाणु पनडुब्बी को 23 नवंबर को लॉन्च किया गया था। लॉन्च करने के बाद इसे फिटिंग-आउट के पास रिलोकेट किया गया था, जिस पर मौजूदा वक्त में अरिघात का था।

चेन्नई में भारी बारिश के कारण तीन लोगों की हुई मौत

चेन्नई (आरएनएस)। चेन्नई में भारी बारिश के कारण बिजली का करंट लगने से 3 लोगों की मौत हो गई जबकि 4 सबवे बंद कर दिए गए। चेन्नई शहर की तकरीबन 100 सड़कों पर पानी भर गया और ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन के अधिकारी और कर्मचारी शहर में जलभराव को दूर करने के लिए काम कर रहे हैं।

तमिलनाडु के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री के.के.एस.एस.आर रामचंद्रन ने कहा कि शहर की 106 सड़कों पर पानी भर गया है। बारिश रुकने के बाद जलभराव साफ हो जाएगा। मंत्री ने कहा कि चेन्नई के आसपास के टैंकों और जलाशयों की निगरानी की जा रही है और अगर जरूरी हुआ तो उन्हें सुरक्षा के लिए खोला जाएगा। रामचंद्रन ने कहा कि नंदनम, वडापलानी और एम.आर.सी. चेन्नई शहर में भारी बारिश हुई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि नुंगमबक्कम में 30 दिसंबर को दिन में 12 सेंटीमीटर और नंदनम में 8 सेंटीमीटर बारिश हुई। आईएमडी के उप महानिदेशक एस. बालचंद्रन ने कहा, निचले स्तरों पर पूर्वी हवाओं और ऊपरी स्तर पर पछुआ हवाओं के मिलने से शहर में बारिश शुरू हुई है। शहर में बारिश 3 जनवरी तक जारी रहेगी। तमिलनाडु के कई तटीय इलाकों में बारिश और हवाएं चलेंगी।

पीयूष को मोहरे की तरह इस्तेमाल करने वाले मास्टरमाइंड की तलाश शुरू

» डीजीजीआई का दावा,पकड़ी गई 194 करोड़ की रकम का पीयूष जैन से नहीं है कोई वास्ता

कानपुर (आरएनएस)। इत्र कारोबारी पीयूष जैन मामले में अभी कई परतें खुलना बाकी हैं। डीजीजीआई अहमदाबाद की टीम नए खुलासे की ओर आगे बढ़ चुकी है। अब तक की पड़ताल में इतना साफ हो गया है कि पकड़ी गई 194 करोड़ की रकम का पीयूष जैन से कोई वास्ता नहीं है। ना ही यह रकम उसके किसी भी तरह के कारोबार में इस्तेमाल के लिए रखी गई थी। बहुत जल्द कई कारोबारी इस पड़ताल की गिरफ्त में आने वाले हैं। टीम की पड़ताल अब पीयूष को मोहरे की तरह इस्तेमाल करने वाले मास्टरमाइंड की तरफ बढ़ चुकी है।

पूरे खेल के मास्टरमाइंड की तलाश- पीयूष जैन मामले में जांच कर रहे एडिशनल डायरेक्टर जनरल विवेक प्रसाद ने बताया कि पकड़ी गई रकम पीयूष जैन की नहीं है। इस रकम का इस्तेमाल पीयूष अपने कारोबार में नहीं करता था। उसके केमिकल्स और कंपाउंड के कारोबार से भी पकड़ी गई रकम का किसी भी तरह से कोई लेना देना नहीं पाया गया है। उन्होंने बताया कि अब उन

कारोबारियों की तलाश है जिनकी यह 194 करोड़ की रकम है।

विदेशी संपत्तियों की पड़ताल शुरू- पीयूष जैन के विदेशों से किस तरह के संपर्क रहे हैं, इस पर जांच शुरू की जा चुकी है। विदेशों में संपत्तियों के साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। ऐसी आशंका जताई जा रही कि पीयूष के सभी ठिकानों से मिले 64 किलो सोने में शुरुआती जांच में तार विदेशों से जुड़े हैं। जांच अब यह हो रही है कि पीयूष के घर वाले कब और कितनी बार विदेशों में गए हैं। पीयूष के पिता,पीयूष और उसके पत्नी और बच्चों की विदेश यात्रा को खंगाला जा रहा है।

सहयोगी कंपनियों और कारोबारियों के संबंध मिले- डीजीजीआई एडिशनल डायरेक्टर जनरल विवेक प्रसाद ने बताया कि पीयूष जैन के बयान और मिले दस्तावेज के आधार पर यह साफ है कि कई सहयोगी कंपनियों और कारोबारियों के संबंध पीयूष जैन से हैं।

शीतलहर की चपेट में दिल्ली, पंजाब और हरियाणा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के मैदानी इलाकों में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। पहले दिल्ली फिर यूपी,छत्तीसगढ़ और बिहार के अधिकांश हिस्सों में कल हुई बारिश के बाद पारा गिर गया है। दिल्ली में तो शीतलहर के हालात बन गए हैं। वहीं, पंजाब और हरियाणा में ज्यादातर स्थानों पर शुक्रवार को कड़ाके की ठंड रही और न्यूनतम तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया।

मौसम विज्ञान विभाग की मौसम रिपोर्ट के अनुसार, हरियाणा में हिसार तेज ठंड की चपेट में है और वहां न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। करनाल, रोहतक, गुरुग्राम, फतेहाबाद, पंचकूला और भिवानी में रात सर्द रही और न्यूनतम तापमान क्रमशः 4.2 डिग्री सेल्सियस, 4.2 डिग्री, पांच डिग्री, 4.3 डिग्री, 4.8 डिग्री और 4.9

डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोनों राज्यों की साझा राजधानी चंडीगढ़ में 4.7 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

पंजाब में न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री सेल्सियस, अमृतसर में 6 डिग्री, लुधियाना में 4.8 डिग्री, पटियाला में 2.8 डिग्री, रूपनगर में 4.8 डिग्री, फरीदकोट में 4.8 डिग्री, गुरदासपुर में 4.3 डिग्री और जालंधर में न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कश्मीर में ठंड से थोड़ी राहत- कश्मीर की बात करें तो न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी के साथ ही शुक्रवार को लोगों को भीषण ठंड से थोड़ी राहत मिली। मौसम विभाग ने बादल छाए रहने के कारण दिन में ठंड और रात में तापमान में बढ़ोतरी का पूर्वानुमान जताया है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर में बृहस्पतिवार और शुक्रवार की दरमियानी रात न्यूनतम तापमान 3.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 9.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीती रात यहां तापमान शून्य से नीचे 9.6 डिग्री सेल्सियस था। पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 6.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जहां बीती रात यह शून्य से नीचे 8.9 डिग्री सेल्सियस था। उन्होंने बताया कि काजीगुंड में न्यूनतम तापमान 3.0 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग में तापमान शून्य से नीचे 3.3 डिग्री सेल्सियस और उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में 2.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग ने बादल छाए रहने के कारण दिन में ठंड और रात में तापमान में बढ़ोतरी का पूर्वानुमान जताया है। दो और तीन जनवरी को कश्मीर में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी हो सकती है। इसके अलावा, चार से छह जनवरी के बीच भीषण हिमपात/ मध्यम बारिश की संभावना है। इस दौरान कई स्थानों पर भारी बर्फबारी का भी अनुमान है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से बाइक सवार भाईयों की हुई मौत

बोकापुर-अयोध्या (आरएनएस)। हैदरगंज थाना क्षेत्र के रामपुर अहिरौली गांव में सड़क हादसे के दौरान नाबालिग दो सगे भाइयों की मौत हो गई। निर्माणाधीन प्रधानमंत्री सड़क पर गिट्टी ढुलाई कर रहे ट्रैक्टर की चपेट में आने से दोनों भाइयों की मौत हो गई। दोनों भाइयों की मौत के बाद घर में कोहराम मच गया। इधर, मौका पाकर चालक घटनास्थल से फरार हो गया। हैदरगंज थाना क्षेत्र की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया है।

अहिरौली गांव में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क का निर्माण हो रहा है। इस दौरान सड़क से गुजर रहे बाइक सवार दो सगे भाई सचिन कुमार (19) व रवि कुमार (17) पुत्र स्व. रामचंद्र मिश्रा निवासी ग्राम मऊ बिछिया थाना हैदरगंज वहां से गुजर रहे थे। तभी ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और बाइक सवार उसकी चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्रवासियों का जमावड़ा लग गया और इसकी सूचना पुलिस और परिजनों को दी गई। उधर, घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। थानाध्यक्ष हैदरगंज राजेश कुमार मिश्रा ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बीता हुआ साल : साल 2021 को कई वजह से रखा जाएगा याद

साल 2021 खत्म होने में अब कुछ ही दिन बाकी है। इस मौके को पूरी दुनिया सेलिब्रेट करती है और नए साल का स्वागत करती है। हालांकि ये साल कोरोना महामारी की दूसरी लहर और किसान आंदोलन जैसी घटनाओं की वजह से काफी याद किया जाएगा। इसके अलावा ये साल कुछ बड़े राजनीतिक घटनाक्रमों का भी गवाह रहा।

बंगाल चुनाव और वहां भड़की हिंसा- इस साल की सबसे प्रमुख राजनीतिक घटनाओं में पहले स्थान पर पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की शिकस्त मानी जा सकती है। पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है। हालांकि चुनाव के नतीजे के बाद और ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में लौटने के बाद राज्य में हिंसा भड़क गई थी। विपक्ष का मानना है कि इसके पीछे सत्ताधारी पार्टी का हाथ था. जबकि टीएमसी ने कहा कि यह विपक्ष की साजिश थी ताकी पार्टी की छवी खराब की जा सके।

गणतंत्र दिवस के मौके पर किसानों की हिंसा- लगभग साल भर से प्रदर्शन कर रहे किसानों ने अपनी मांग को लेकर इस वर्ष गणतंत्र दिवस के मौके पर ट्रैक्टर रैली निकाली थी। लेकिन इस मार्च के दौरान ही हिंसा भड़क गई. ट्रैक्टर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारी इतने हिंसक हो गए कि उन्होंने पुलिस बेरिकेडिंग तोड़ दी और लाल किले के प्राचीर पर पहुंच वहां धार्मिक झंडा फहरा दिया।

कोविड की दूसरी लहर और ऑक्सीजन संकट- कोरोना की दूसरी लहर का दौर काफी मुश्किल रहा. दरअसल इस साल दूसरे लहर के दौरान कोरोना के डेल्टा स्ट्रेन ने सबको डरा कर रख दिया. इस वेव में कई लोग संक्रमित हो रहे थे और सांस लेने में तकलीफ के कारण अस्पताल में भर्ती हो रहे थे. अस्पताल के बाहर मरीजों की कतार को वो मंजर शायद ही कोई भूल पाएगा. वहीं लोगों को ऑक्सीजन सिलेंडर और रेमडेसिविर के लिए भी बहुत भटकना पड़ा. हालांकि केंद्र के अनुसार कोरोना की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी से एक भी जान नहीं गई है।

लखीमपुर खीरी मामला - किसान आंदोलन को जब भी याद किया जाएगा तो लखीमपुर खीरी कांड को स्मरण कर आपकी आंखे जरूर नम होंगी. दरअसल 3 अक्टूबर को लखीमपुर खीरी में प्रदर्शन कर रहे किसानों पर थार गाड़ी चढ़ा दी गई. इस घटना में चार किसानों ने अपनी जान गंवा दी. वहीं हाल ही में इस कांड में केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी के बेटे आशीष मिश्रा को आरोपी बनाया है।

भारत ने तोड़ा 1 बिलियन कोविड-19वैक्सीन का रिकॉर्ड- इस साल 21 अक्टूबर को भारतीय इतिहास में एक एतिहासिक दिन दर्ज किया गया. दरअसल 21 अक्टूबर के दिन ही भारत में 100 करोड़ के वैक्सीन मार्क को पार कर लिया गया.

सीडीएस बिपिन रावत का निधन- इस साल को याद करते वक्त देश के बेटे को जरूर याद किया जाएगा. दरअसल साल के आखिरी में 8 दिसंबर को एक दुखद हेलीकॉप्टर दुर्घटना में भारत के पहले सीडीएस बिपिन रावत का निधन हो गया. इस घटना में भारत ने पहले सीडीएस उनकी पत्नी समेत 14 जवानों को खो दिया.

ओलंपिक में भारत को मिला गोल्ड मेडल- इस साल टोक्यो में हुए ओलंपिक में भारत ने एक गोल्ड मेडल, 2 रजत और 4 कांस्य मेडल हासिल किए. इस प्रतियोगिता में नीरज चौपड़ा ने इतिहास रचते हुए जेवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीतकर पूरे देश को गौरवांवित किया. इसके अलावा भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने भी 41 साल बाद हॉकी में मेडल हासिल किया.

हरनाज सिंधू बनी मिस यूनिवर्स- इस साल के दिसंबर महीने में भारत को पूरे दो दशक यानी 21 सालों बाद मिस यूनिवर्स का खिताब दिया गया. दरअसल इस साल 21 साल की हरनाज ने ये ताज अपने नाम किया है. इससे पहले साल 2000 में लारा दत्ता मिस यूनिवर्स बनी थी और उससे पहले पहले सुष्मिता सेन ने ये खिताब अपने नाम किया था.